Written by कुमार सौवीर
Wednesday, 04 July 2018 18:05

**: □□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□□ □□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□-□□□□□ □□□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□□ □□□□□□ : □□□□□□□□ □□□ □□□□□□□□□□ □□□ □□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□ □□□, □□ □□□□ □□□ □□□□□□□, □□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□□□□□ :**

□□□□□ □□□□□□

**□□□□ :** आइये, □क नयी पाठशाला खोल दिया जा□□ चलती-फिरती पाठशाला□ इसके लि□ कहीं आने-जाने की भी कोई जरूरत नहीं□ बस, अपना मोबाइल ऑन कीजि□, फेसबुक या वाट्सऐप समूह में जुड़ कर वहां भाषा को लेकर हो रही गलती-गड़बड़ियों पर चर्चा शुरू कर दीजि□□ बिना किसी संकोच, या फिर बिना किसी दुराग्रह के□ आपका लहजा बस शांत, सौम्□य और सहयोगी भाव में होना चाहि□□ बाकी लोग खुद ब खुद आपके पास जुड़ने लगेंगे□

फेसबुक पर मैंने कल रात यही किया□ अमर उजाला में वाराणसी के समाचार संपादक हैं प्रदीप मिश्र□ आईआई□मसी यानी भारतीय जन संचार संस्□थान के पढ़े-लिखे हैं□ तीस साल हो चुके हैं पत्रकारिता करते हु□□ लेकिन जैसे कोई परिंदा अपने पुराने घोंसले पर लौटता हो, जैसे कोई विवाहिता अपने लोगों का हालचाल लेने अपने मायके आती हो, प्रदीप भी आईआई□मसी पहुंचे□ वहां की अपनी □क फोटो फेसबुक पर अपलोड की□ फिर क्□या था, कमेंट्स की बाढ़ आ गयी□ सामान्□य तौर पर वर्तनी की गड़बड़ होती है, तो मैं उसे सहज भाव में ले लेता हूं□ लेकिन उसमें से □क कमेंट पर मेरी नजर पड़ी, गौर किया तो पाया कि यह पत्रकार है□ मुझे लगा कि यह शख्□स हमारे ही पत्रकारिता-परिवार का सदस्□य है□ इसलि□ उसे मैंने समझाने के लि□ मित्रतापूर्व परामर्श देना शुरू कर दिया□

आइये, उस कमेंट पर आया जा□, जिस पर बातचीत शुरू हो गयी□ वह बातचीत बेहद शालीनता के साथ हुई□ मैंने अपनी बात पूरी सहजता-सरलता के साथ कह दी, और उसने भी पूरी सौम्□यता और शालीनता के साथ मेरे परामर्श को स्□वीकार किया□ कहीं भी किसी भी शख्□स ने ऐसा नहीं किया जिससे किसी को बुरा लग सके□ आइये, अब बातचीत को पढ़ने का कष्□ट करें :-

**Hemant Dubey** क्हा का है शीन है सर

**Kumar Sauvir** हेमंत जी□ आपने जिस संदर्भ में शीन शब्द का प्रयोग किया है, वह सर्वथा भ्रमकारी, अशुद्ध और अनर्थकारी है□ सही शब्द है सीन□ और मैं समझता हूं कि यह सही समय है जब मैं इसी विषय पर पाठशाला प्रारम्भ कर दूं□ अन्यथा मत लीजियेगा, लेकिन पत्रकारिता के गंभीर क्षेत्र में शब्द, वर्णमाला और व्याकरण सर्वथा अनिवार्य होते हैं□

जरा अब नोट करना शुरू कीजि□ और अपने साथियों को भी इस बारे में जागरूक व सतर्क भी कीजियेगा□

सीन और शीन शब्द हिंदी अथवा अंग्रेजी में हैं ही नहीं□ शीन तो उर्दू का अक्षर है, जिसका इस्तेमाल केवल श अक्षर को प्रयुक्त करने में किया जाता है□

Written by कुमार सौवीर
Wednesday, 04 July 2018 18:05

जबकि सीन अक्षर नहीं, बाकायदा □ कशब्द होता है□ अंग्रेजी में सीन का अर्थ है दृश्य, नजारा अथवा क्रिया में देखा जा चुका□ जबकि उर्दू की वर्णमाला में शीन से श शब्द की उत्पत्ति होती है□ आपको बता दूं कि उर्दू में शीन से पहले सीन शब्द आता है□ सीन के बाद शीन, फिर स्वाद, फिर ज्वाद□

**Pradeep Mishra** पाठशाला अच्छी लगी□

**Hemant Dubey** छमा

**Kumar Sauvir Hemant Dubey** मेरे लाल□ क्षमा के ला□ नहीं, समझने की पाठशाला खोली है मैंने□ सिर्फ सुधरो,सुधारो, और अक्षर-संधान कर ब्राह्मण और पंडित बनने के सेनानी बनो□

लेकिन पहले तो छमा नहीं, क्षमा शब्द का प्रयोग शुरू करो

**Kumar Sauvir** बेटा□ मैं क्लास चला रहा हूँ, जिज्ञासा और उत्साह भाव रखो□ यह जेल या हवालात नही, कि हम शर्मदा होते रहें

**Hemant Dubey** ओके सर

**Kumar Sauvir** जिज्ञासा, विचार, शब्द, भाव, विश्लेषण, लेखन, अभिव्यक्ति और सम्प्रेषण तुम ही न संभालोगे-सीखोगे, तो कौन करेगा?

□□□□□□□ **:-**हालांकि मैं जानता हूं कि ऐसी टोकाटाकी किसी को बुरी भी लग सकती है□ लेकिन मुझे लगा कि ऐसा करना जरूरी है□ हम पत्रकार लोग अपनी विशि□ वसनीयता और भाषागत अराजकता के बड़े खतरे से जूझ रहे हैं□ इसलि□ इस तरह की नुक्□ ताचीनी होनी ही चाहि□□ और गर्व की बात है कि हेमंत दुबे ने मेरी हर बात पर सहमति व्य□ क्त की□ अब आप सब लोग भी इस बारे में लोगों को जागरूक करें□